Scheme & Examination of B.A.Hindi (Elective)
W.e.f. July 2012-13

Course	Nomenclature	Total Marks	Theory	Internal Assessment	Time
Sem.-I	Hindi (Elective)	100	80	20	3 Hrs.
Sem.-II	Hindi (Elective)	100	80	20	3 Hrs.
Sem.-III	Hindi (Elective)	100	80	20	3 Hrs.
Sem.-IV	Hindi (Elective)	100	80	20	3 Hrs.
Sem.-V	Hindi (Elective)	100	90	10	3 Hrs.
Sem.- VI	Hindi (Elective)	100	90	10	3 Hrs.

म० द० विश्वविद्यालय के लिए

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)

जुलाई २०१२

बी०ए० : प्रथम सेमेस्टर

हिन्दी (ऐच्छिक)

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन

१ कुरुक्षेत्र (षष्ठ सर्ग) : रामधारी सिंह दिनकर
२ हानूश (नाटक) : भीष्म साहनी
३ हिन्दी साहित्य का आदिकाल

खण्ड--(क) : वस्तुनिष्ठ प्रश्न
खण्ड--(ख) : कुरुक्षेत्र (षष्ठ सर्ग)

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ 'कुरुक्षेत्र' की मूल संवेदना
२ 'कुरुक्षेत्र' की पात्र–योजना
३ 'कुरुक्षेत्र' का काव्य–रूप
४ 'कुरुक्षेत्र' के नामकरण की सार्थकता
५ दिनकर की काव्य–कला

खण्ड--(ग) : हानूश

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ 'हानूश' नाटक का उद्देश्य
२ 'हानूश' नाटक की पात्र योजना
३ 'हानूश नामकरण की सार्थकता
४ रंगमंच की दृष्टि से 'हानूश' का मूल्यांकन
५ 'हानूश' की नाट्य–कला

खण्ड--(घ) : हिन्दी साहित्य का आदिकाल

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ हिन्दी साहित्येतिहासलेखन की परम्परा
२ आदिकाल का नामकरण
३ आदिकाल की परिस्थितियाँ
४ आदिकालीन साहित्य की सामान्य प्रवृत्तियाँ
५ रासो काव्य परम्परा

६ पृथ्वीराजरासो की प्रामाणिकता

७ विद्यापति व अमीर खुसरो का साहित्यिक परिचय ।

निर्देश :

१ पहला प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकृति का होगा । पूरे पाठ्यक्रम से एक–एक अंक के ८ प्रश्न पूछे जाएंगे । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

२ खण्ड 'ख' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से व्याख्या के लिए चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए ४ अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

३ खण्ड 'ख' में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न ८ अंक का होगा ।

४ खण्ड 'ख' में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग २०० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ३ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ६ अंक का होगा ।

५ खण्ड 'ग' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से व्याख्या के लिए चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए ४ अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

६ खण्ड 'ग' में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न ८ अंक का होगा ।

७ खण्ड 'ग' में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग २०० शब्दों में किन्हीं दो पश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

८ खण्ड 'घ' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ६ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १८ अंक का होगा ।

९ खण्ड 'घ' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)

जनवरी २०१३

बी०ए० : द्वितीय सेमेस्टर

हिन्दी (ऐच्छिक)

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन

१ प्राचीन एवं मध्यकालीन हिन्दी काव्य : प्रो० पूरनचंद टंडन, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली ।
२ निर्मला (उपन्यास) : प्रेमचंद
३ हिन्दी साहित्य का भक्तिकाल

पाठ्यक्रम में निर्धारित कवि

कबीरदास–प्रथम ३० दोहे
जायसी–सभी पद
सूरदास–भ्रमरगीत पद संख्या १ से ४, ६, ६, १२,
गोकुल लीला : पद संख्या १, ३, ६, ८, १० (कुल १२ पद)
तुलसीदास–पुस्तक में संकलित 'विनय पत्रिका' एवं 'दोहावली' से गृहीत अंश
मीराबाई–पद संख्या १ से ५, १६, १७, २०, २३, २५–कुल १० पद
बिहारी–शृंगारिक दोहे–१ से २५
घनानंद–प्रथम आठ कवित्त

खण्ड--(क) : वस्तुनिष्ठ प्रश्न

खण्ड--(ख) : प्राचीन एवं मध्यकालीन हिन्दी काव्य

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ कबीर की प्रासंगिकता
२ जायसी का विरह वर्णन
३ सूरदास का वात्सल्य वर्णन
४ शृंगार वर्णन
५ तुलसीदास का समन्वयवाद
६ मीरांबाई की प्रेम साधना
७ बिहारी की बहुज्ञता
८ घनानंद का वियोग वर्णन
६ सभी कवियों का साहित्यिक परिचय

खण्ड--(ग) : निर्मला

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ 'निर्मला' उपन्यास का प्रतिपाद्य
२ 'निर्मला' की पात्र योजना
३ 'निर्मला' नामकरण की सार्थकता
४ प्रेमचंदयुगीन सामाजिक परिवेश
५ उपन्यासकार प्रेमचंद का साहित्यिक परिचय

खण्ड--(घ) : भक्तिकाल

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ भक्ति : उद्‌भव और विकास

२ भक्तिकाल की परिस्थितियाँ
३ संत काव्य की प्रवृत्तियाँ
४ सूफी काव्य की प्रवृत्तियाँ
५ राम काव्य की प्रवृत्तियाँ
६ कृष्ण काव्य की प्रवृत्तियाँ
७ अष्टछाप और उसका महत्व
८ भक्तिकाल : स्वर्णयुग

निर्देश :

१ पहला प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकृति का होगा । पूरे पाठ्यक्रम से एक–एक अंक के ८ प्रश्न पूछे जाएंगे । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

२ खण्ड 'क' म निर्धारित पाठ्यक्रम में से व्याख्या के लिए चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए ४ अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

३ खण्ड 'क' में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में स दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न ८ अंक का होगा ।

४ खण्ड 'क' में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग २०० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ३ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ६ अंक का होगा ।

५ खण्ड 'ख' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से व्याख्या के लिए चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए ४ अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

६ खण्ड 'ख' में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न ८ अंक का होगा ।

७ खण्ड 'ख' में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग २०० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

८ खण्ड 'ग' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ६ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १८ अंक का होगा ।

६ खण्ड 'ग' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

(केवल महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय के लिए)

जुलाई २०११ से प्रभावी

बी०ए० : तृतीय सेमेस्टर

हिन्दी (ऐच्छिक)

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन

१ आधुनिक हिंदी कविता पर आधारित पुस्तक
२ कहानी एकादशी–सं० दशरथ ओझा
प्रकाशक–शिक्षा भारती, कश्मीरी गेट, दिल्ली
३ हिन्दी साहित्य का रीतिकाल

खण्ड--(क) :

तृतीय सेमेस्टर हिंदी (ऐच्छिक) की आधुनिक हिंदी कविता पर आधारित प्रस्तावित पाठ्यपुस्तक (जिसका नामकरण पुस्तक–निर्माण के साथ किया जाएगा) महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय का हिंदी–विभाग तैयार करेगा । म० द० विश्वविद्यालय के हिंदी–विभाग का दायित्व होगा कि वह पाठ्यक्रम प्रभावी होने से पहले पाठ्यपुस्तक विद्यार्थियों को उपलब्ध कराए ।

प्रस्तुत प्रस्तावित पुस्तक में निम्नलिखित कवियों की रचनाओं को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा–

१ मैथिलीशरण गुप्त
२ जयशंकर प्रसाद
३ सुमित्रानंदन पंत
४ महादेवी वर्मा
५ सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
६ बालकृष्ण शर्मा नवीन
७ रामधारी सिंह दिनकर

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

कवियों के साहित्यिक परिचय, उनके काव्य की संवेदनागत तथा शिल्पगत विशेषताओं से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे ।

खण्ड--(ख)

निर्धारित पाठ्यपुस्तक से निम्नलिखित कहानियों को पाठ्यक्रम में शामिल किया जा रहा है–

१ ईद का त्योहार –प्रेमचंद
२ छोटा जादूगर –जयशंकर प्रसाद
३ पढ़ाई –जैनेन्द्र कुमार
४ आदमी का बच्चा –यशपाल
५ दरोगा अमीचन्द –अज्ञेय
६ दिल्ली में एक मौत –कमलेश्वर
७ नई नौकरी –मन्नू भण्डारी

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानीकारों के साहित्यिक परिचय, निर्धारित कहानियों के प्रतिपाद्य तथा कहानी–कला पर ही प्रश्न पूछे जाएंगे ।

खण्ड--(ग) : हिंदी साहित्य का रीतिकाल

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ रीतिकालीन हिंदी कविता के प्रेरणास्रोत
२ रीतिकाल का नामकरण
३ रीतिकाल का विभाजन तथा रीतिबद्ध काव्य की प्रवृत्तियाँ
४ रीतिमुक्त काव्य की प्रवृत्तियाँ
५ रीतिकवियों का आचार्यत्व
६ रीतिकालीन हिंदी काव्य की उपलब्धियाँ

निर्देश-

१ खण्ड 'क' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से व्याख्या के लिए चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए ५ अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

२ खण्ड 'क' में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न ७ अंक का होगा ।

३ खण्ड 'क' में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग २०० शब्दो में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

४ खण्ड 'ख' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से व्याख्या के लिए चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए ५ अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

५ खण्ड 'ख' में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न ७ अंक का होगा ।

६ खण्ड 'ख' में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग २०० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

७ खण्ड 'ग' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ७ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १४ अंक का होगा ।

८ खण्ड 'ग' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

६ अंतिम प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकृति का होगा । पूरे पाठ्यक्रम से एक–एक अंक के ८ प्रश्न पूछे जाएंगे । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

केवल महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय के लिए)

जनवरी २०१२ से प्रभावी

बी०ए० : चतुर्थ सेमेस्टर

हिन्दी (ऐच्छिक)

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन

१ सुदामाचरित : नरोत्तमदास
२ श्रेष्ठ निबन्ध (निबन्ध संग्रह)–सं० डॉ० आलोक गुप्त
प्रकाशक–शिक्षा भारती, कश्मीरी गेट, दिल्ली–६
३ हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल : कविता

खण्ड--(क) :

निर्धारित आलाचनात्मक प्रश्न

- नरोत्तमदास का साहित्यिक परिचय
- सुदामाचरित का काव्य रूप
- सुदामाचरित का प्रतिपाद्य
- सुदामाचरित में चरित्र–चित्रण
- सुदामाचरित का युगीन संदर्भ

खण्ड--(ख) :

'श्रेष्ठ निबन्ध' नामक पाठ्यपुस्तक से निम्नलिखित निबन्ध पाठ्यक्रम में निर्धारित किए जा रहे हैं–

निर्धारित निबन्ध-

१ दाँत–प्रतापनारायण मिश्र
२ साहित्य की महत्ता–महावीर प्रसाद द्विवेदी
३ क्रोध–रामचन्द्र शुक्ल
४ आचरण की सभ्यता–सरदार पूर्ण सिंह
५ गेहूँ बनाम गुलाब–रामवृक्ष बेनीपुरी
६ साहित्य और जीवन–नंददुलारे वाजपेयी
७ देवदारू–हजारीप्रसाद द्विवेदी

निर्धारित आलोचनात्मक पश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित निबन्धकारों के साहित्यिक परिचय, निर्धारित निबन्धों के प्रतिपाद्य तथा निबन्धों की भाषा शैली पर ही प्रश्न पूछे जाएंगे ।

खण्ड--(ग) : हिंदी साहित्य का आधुनिक काल : कविता

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ आधुनिककालीन हिंदी साहित्य का परिवेश
२ भारतेन्दुयुगीन हिंदी कविता की प्रवृत्तियाँ
३ द्विवेदीयुगीन हिंदी कविता की प्रवृत्तियाँ

४ छायावाद
५ प्रगतिवाद
६ प्रयोगवाद
७ नई कविता

८ समकालीन हिंदी कविता

निर्देश-

१ खण्ड 'क' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से व्याख्या के लिए चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए ५ अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

२ खण्ड 'क' में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न ७ अंक का होगा ।

३ खण्ड 'क' में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग २०० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

४ खण्ड 'ख' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से व्याख्या के लिए चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए ५ अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

५ खण्ड 'ख' में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न ७ अंक का होगा ।

६ खण्ड 'ख' में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग २०० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

७ खण्ड 'ग' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ७ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १४ अंक का होगा ।

८ खण्ड 'ग' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

९ अंतिम प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकृति का होगा । पूरे पाठ्यक्रम से एक–एक अंक के ८ प्रश्न पूछे जाएंगे । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

केवल महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय के लिए)

जुलाई २०१२ से प्रभावी

बी०ए० पाँचवाँ सेमेस्टर

हिन्दी ऐच्छिक

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ६० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : १० अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन

१ वस्तुनिष्ठ प्रश्न
२ कथा–वातायन, संपा० पो० रोहिणी अग्रवाल
३ समकालीन हिंदी कविता, संपा० प्रो० रामसजन पाण्डेय
४ हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल : गद्य

खण्ड (क) : वस्तुनिष्ठ प्रश्न

खण्ड (ख) : कथा-वातायन, संपा० प्रो० रोहिणी अग्रवाल

निर्धारित आलाचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानीकारों के साहित्यिक परिचय, निर्धारित कहानियों के प्रतिपाद्य तथा निर्धारित कहानियों की कला पर ही प्रश्न पूछे जाएंगे ।

खण्ड (ग) : समकालीन हिंदी कविता, संपा० प्रो० रामसजन पाण्डेय

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों के साहित्यिक परिचय, उनकी काव्य संवेदना तथा काव्य शिल्प पर ही प्रश्न पूछे जाएंगे ।

हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल : गद्य

निर्धारित प्रश्न-

१ हिंदी उपन्यास : उद्‌भव और विकास
२ हिंदी नाटक : उद्‌भव और विकास
३ हिंदी कहानी : उद्‌भव और विकास
४ हिंदी निबन्ध : उद्‌भव और विकास
५ हिंदी आलोचना : उद्‌भव और विकास
६ हिंदी साहित्य की अन्य विधाएँ–आत्मकथा, जीवनी, यात्रावृत्त का उद्‌भव और विकास

निर्देश :

१ खण्ड 'क' में निर्धारित पाठ्यक्रम में स व्याख्या के लिए चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए ५ अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

२ खण्ड 'क' में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न ६ अंक का होगा ।

३ खण्ड 'क' में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग २०० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नो का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

४ खण्ड 'ख' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से व्याख्या के लिए चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए ५ अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

५ खण्ड 'ख' में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न ६ अंक का होगा ।

६ खण्ड 'ख' में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग २०० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

७ खण्ड 'ग' में निर्धारित पाठयक्रम में से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ६ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १८ अंक का होगा ।

८ खण्ड 'ग' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

६ अंतिम प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकृति का होगा । पूरे पाठ्यक्रम से एक–एक अंक के १० प्रश्न पूछे जाएंगे । पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

केवल महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय के लिए)

जनवरी २०१३ से प्रभावी

बी०ए० छठा सेमेस्टर

हिन्दी ऐच्छिक

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ६० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : १० अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन

१	मानस का हंस (विद्यार्थी संस्करण) : अमृतलाल नागर	३० अंक
२	नव्यतर गद्य विधाएँ	३० अंक
३	साहित्यालोचन	३० अंक

खण्ड (क) :

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ अमृतलाल नागर का साहित्यिक परिचय
२ मानस का हंस : प्रतिपाद्य
३ मानस का हंस : चरित्र चित्रण
४ मानस का हंस : पुरावृत्त और कल्पना
५ मानस का हंस : देशकाल और वातावरण
६ मानस का हंस : भाषा शैली

खण्ड (ख) :

नव्यतर गद्य विधाओं पर आधारित पाठ्यपुस्तक (जिसका नामकरण पुस्तक–निर्माण के साथ किया जाएगा) कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय का हिंदी–विभाग तैयार करेगा । कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के हिंदी–विभाग का दायित्व होगा कि पाठ्यक्रम प्रभावी होने से पहले वह पाठ्यपुस्तक को विद्यार्थियों को उपलब्ध कराए ।

प्रस्तुत प्रस्तावित पुस्तक में निम्नलिखित साहित्यिक विधाओं को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा–

१ संस्मरण
२ रेखाचित्र
३ यात्रावृत्तान्त
४ ललित निबन्ध (ललित निबन्ध दो शामिल किए जाएंगे)
५ व्यंग्य
६ डायरी

खण्ड (ग) : साहित्यालोचन

निर्धारित विषय

(क) काव्य : स्वरूप और भेद

१ काव्य की परिभाषा
२ काव्य–प्रयोजन
३ काव्य–हेतु
४ काव्य–भेद : महाकाव्य, खण्डकाव्य, गीतिकाव्य

(ख) रस की परिभाषा और उसके भेद

(ग) अलंकार की परिभाषा और प्रमुख अलंकारों का सोदाहरण परिचय–

अनुप्रास, श्लेष, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, भ्रांतिमान, सन्देह, मानवीकरण ।

(घ) छंद की परिभाषा और प्रमुख छंदों का सोदाहरण परिचय–दोहा, चौपाई, सोरठ, छप्पय, कवित्त।

निर्देश :

१ खण्ड 'क' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से व्याख्या के लिए चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए ५ अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

२ खण्ड 'क' में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न ६ अंक का होगा ।

३ खण्ड 'क' में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग २०० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

४ खण्ड 'ख' में निधारित पाठ्यक्रम में से व्याख्या के लिए चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए ५ अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

५ खण्ड 'ख' में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न ६ अंक का होगा ।

६ खण्ड 'ख' में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग २०० शब्दों मे किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

७ खण्ड 'ग' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ६ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १८ अंक का होगा ।

८ खण्ड 'ग' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

९ अंतिम प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकृति का होगा । पूरे पाठ्यक्रम से एक–एक अंक के १० प्रश्न पूछे जाएंगे । पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।